## SPECIAL MENTIONS

### Demand to declare extreme heat as a natural disaster

**श्री संजय सेठ** (उत्तर प्रदेश) : सर, भारत में इस वर्ष भीषण गर्मी का सबसे लंबा दौर रिकॉर्ड किया गया है और देश में 536 heat-wave days रहे हैं, जो 14 सालों में सबसे ज़्यादा हैं। इस वर्ष भारत में भीषण गर्मी के कारण 100 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई है और heat stroke के 40,000 से संदिग्ध मामले report किये गए हैं, जो एक चिंताजनक आंकड़ा है। भीषण गर्मी के कारण हो रहे नुकसान का संज्ञान संयुक्त राष्ट्र ने भी लिया है और इसे महामारी का रूप भी बताया है, जिसके कारण पूरे विश्व में हर वर्ष 5 लाख से अधिक लोगो की मृत्यु हो रही है, जो बाढ़ और तूफ़ान जैसी प्राकृतिक आपदा से होने वाली मृत्यु से भी ज़्यादा है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव ने भी सभी देशों को इसके प्रति जागरूक होकर कार्य करने का निवेदन किया है। RBI के अनुसार Global warming और भीषण गर्मी के कारण देश की GDP को 2.8 प्रतिशत तक का नुकसान होने का अनुमान है। भारत में प्राकृतिक आपदाओं के नियंत्रण के लिए the Disaster Management Act है, लेकिन इस कानून के अंतर्गत अभी तक भीषण गर्मी या heat-wave को natural disaster नहीं घोषित किया गया है।

(Mr. Deputy Chairman *in the Chair.*)

मेरा सरकार से निवेदन है कि भीषण गर्मी के बढ़ते मामलों को देखते हुए इसे natural disaster घोषित किया जाए, जिससे सरकार भीषण गर्मी से हो रही क्षति के प्रबंधन में और बेहतर ढंग से कार्य कर सके।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the Spetial Mention raised by hon. Member, Shri Sanjay Seth: Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shrimati Sulata Deo (Odisha), Shri R. Girirajan (Tamil Nadu), Prof. Manoj Kumar Jha (Bihar) and Shri Haris Beeran (Kerala).

### Concern over Ayushman Bharat Scheme

**डा. अशोक कुमार मित्तल** (पंजाब) : महोदय, स्वास्थ्य के क्षेत्र में सरकार द्वारा आयुष्मान भारत योजना सबसे महत्वपूर्ण योजना है। आयुष्मान भारत योजना, जिसके अंतर्गत अभी तक 55 crore नागरिकों और 12.34 crore परिवारों को 5 लाख का स्वास्थ्य बीमा दिया गया है, इस योजना के माध्यम से गरीबी रेखा के नीचे वाले परिवारों को बीमा की सुविधा दी जाती है। हमारे देश में कैंसर cases की बढ़ोतरी हो रही है और यह अनुमान है कि 2025 तक हर वर्ष भारत में 16 लाख कैंसर cases होंगे और economic survey ने यह कहा है कि India's out-of-pocket expenses on healthcare are over 50 per cent of the total health expenses, जो एक चिंता का विषय है,